

करने के लिए इस विस्तार तक उपांतरण करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 29 की उपधारा (2) में "उसके सदस्यों के साधारण निकाय में" शब्दों के स्थान पर, "निदेशक बोर्ड में" शब्दों रखे जाएंगे और उक्त अधिनियम की धारा 30 की उपधारा (1) में, "अपने सदस्यों का साधारण अधिवेशन निम्नलिखित प्रयोजन के निम्न विहित रीति में बुलाएगी" शब्दों के स्थान पर "अपने निदेशक बोर्ड का अधिवेशन निम्न-लिखित प्रयोजन के लिए विहित रीति में बुलाएगी" शब्द रखे जाएंगे। यह उपांतरण 10 अक्टूबर, 1988 तक प्रवृत्त रहेगा।

[सं. एच-11015/3/79-एच एच एम]

नेशनल मिश्र, संयुक्त सचिव
तथा केन्द्रीय सरकारी समितियों के पंजीकार

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agricultural and Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th September, 1988

S.O. 887 (E).—In exercise of the powers conferred by section 99 of the Multi-State Cooperative Societies Act, 1984, the Central Government hereby modifies the provisions of section 29 and section 30 of the said Act in its applicability to the Krishak Bharati Cooperative Limited, New Delhi to the extent that in sub-section (2) of section 29 of the said Act, for the words "in the general body of its members", the words "in the Board of Directors" shall be substituted and in sub-section (1) of the section 30 of the said Act for the word "call a general meeting of its members, the words "call a meeting of its Board of Directors" shall be substituted. This modification shall remain in force till 10th October, 1988.

[No. L. 11015/3/79-L&M]

D. C. MISRA, Jt. Secy. & Central Registrar of Cooperative Societies.



1162 1151 89

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 486]
No. 486]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 26, 1988/ आश्विन 4, 1910
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 26, 1988/ASVINA 4, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1988

का. प्रा. 888 (अ) :- मातृकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान
संस्थान, चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा e की उपधारा (4) के
साथ पठित धारा 5 के खण्ड (घ) के अनुसरण में केन्द्र सरकार एतद्वारा